

अध्यापक शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का छात्राध्यापकों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का सैद्धान्तिक अध्ययन

वेद प्रकाश नागर

शोधकर्ता/ शोधार्थी

गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा, राजस्थान

मार्गदर्शक (Guide)

डॉ.हरलाल बाजिया

(प्राचार्य)

श्री श्याम बीवीवी बी.एड. कॉलेज, आनंदपुरी, बांसवाड़ा, राजस्थान

सारांश

शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता का सीधा संबंध अध्यापक शिक्षकों (Teacher Educators) की शिक्षण दक्षता से है। अध्यापक प्रशिक्षण संस्थानों में कार्यरत अध्यापक शिक्षक न केवल विषयवस्तु प्रदान करते हैं, बल्कि भावी शिक्षकों के व्यक्तित्व, दृष्टिकोण, शिक्षण कौशल तथा व्यावसायिक मूल्यों का भी निर्माण करते हैं। प्रस्तुत सैद्धान्तिक अध्ययन का उद्देश्य अध्यापक शिक्षकों की शिक्षण दक्षता और छात्राध्यापकों की शैक्षिक उपलब्धि के बीच संबंध का विश्लेषण करना है। यह अध्ययन विभिन्न शैक्षिक सिद्धांतों, शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं, मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोणों तथा पूर्ववर्ती अध्ययनों के आधार पर किया गया है। अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि अध्यापक शिक्षकों की प्रभावी शिक्षण दक्षता छात्राध्यापकों की शैक्षिक उपलब्धि, आत्मविश्वास, अभिप्रेरणा एवं व्यावसायिक दक्षता को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है।

मुख्य शब्द: अध्यापक शिक्षक, शिक्षण दक्षता, छात्राध्यापक, शैक्षिक उपलब्धि, शिक्षक शिक्षा

प्रस्तावना

किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसकी शिक्षा प्रणाली पर निर्भर करती है और शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता का आधार शिक्षक होते हैं। शिक्षकों की गुणवत्ता का निर्माण अध्यापक प्रशिक्षण संस्थानों में होता है, जहाँ अध्यापक शिक्षक भावी शिक्षकों को प्रशिक्षित करते हैं। अतः यह कहा जा सकता है कि अध्यापक शिक्षक “शिक्षक के भी शिक्षक” होते हैं।

आधुनिक युग में शिक्षा केवल विषयज्ञान तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसमें कौशल विकास, मूल्य निर्माण, समालोचनात्मक चिंतन तथा जीवनपर्यंत अधिगम को भी सम्मिलित किया गया है। ऐसे में अध्यापक शिक्षकों की शिक्षण दक्षता का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि उनकी दक्षता का प्रभाव सीधे छात्राध्यापकों की शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ता है।

अध्ययन की आवश्यकता एवं औचित्य

वर्तमान समय में शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों की गुणवत्ता को लेकर अनेक प्रश्न उठाए जा रहे हैं। अनेक छात्राध्यापक शैक्षिक ज्ञान तो प्राप्त कर लेते हैं, परंतु शिक्षण कौशल, कक्षा प्रबंधन तथा नवाचारात्मक दृष्टिकोण में कमी देखी जाती है। इसके पीछे प्रमुख कारण अध्यापक शिक्षकों की शिक्षण दक्षता में असमानता हो सकती है।

इस अध्ययन की आवश्यकता निम्नलिखित कारणों से है:

1. अध्यापक शिक्षकों की भूमिका को सैद्धान्तिक रूप से समझना।
2. शिक्षण दक्षता और शैक्षिक उपलब्धि के संबंध को स्पष्ट करना।
3. शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों की गुणवत्ता सुधार हेतु सैद्धान्तिक आधार प्रदान करना।
4. भावी शोधकर्ताओं को दिशा प्रदान करना।

प्रमुख संकल्पनाओं की व्याख्या

3.1 अध्यापक शिक्षक

अध्यापक शिक्षक वह प्रशिक्षित एवं अनुभवी व्यक्ति होता है जो शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में छात्राध्यापकों को शिक्षण, प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान करता है। वह शिक्षण प्रक्रिया का आदर्श मॉडल प्रस्तुत करता है।

3.2 शिक्षण दक्षता

शिक्षण दक्षता से तात्पर्य अध्यापक शिक्षक की उन क्षमताओं से है जिनके माध्यम से वह शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाता है। इसमें विषयज्ञान, शिक्षण विधियाँ, संप्रेषण कौशल, मूल्यांकन क्षमता, कक्षा प्रबंधन एवं भावनात्मक बुद्धिमत्ता सम्मिलित हैं।

3.3 छात्राध्यापक

छात्राध्यापक वे शिक्षार्थी होते हैं जो शिक्षक बनने हेतु प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे होते हैं। उनका व्यक्तित्व, शिक्षण दृष्टिकोण एवं शैक्षिक उपलब्धि अध्यापक शिक्षकों से अत्यधिक प्रभावित होती है।

3.4 शैक्षिक उपलब्धि

शैक्षिक उपलब्धि से अभिप्राय छात्राध्यापक द्वारा निर्धारित शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति से है, जिसे परीक्षा परिणाम, आंतरिक मूल्यांकन, शिक्षण अभ्यास एवं व्यावसायिक दक्षता के माध्यम से मापा जाता है।

4. शिक्षण दक्षता के आयाम

अध्यापक शिक्षकों की शिक्षण दक्षता निम्नलिखित आयामों में विभाजित की जा सकती है:

1. विषयवस्तु दक्षता – विषय पर गहरी पकड़ एवं अद्यतन ज्ञान।
2. शिक्षण विधि दक्षता – विविध शिक्षण विधियों का प्रभावी प्रयोग।
3. संप्रेषण दक्षता – स्पष्ट, सरल एवं प्रेरणादायक भाषा का प्रयोग।
4. मूल्यांकन दक्षता – निष्पक्ष एवं वैज्ञानिक मूल्यांकन।

5. भावनात्मक एवं नैतिक दक्षता – छात्राध्यापकों के प्रति संवेदनशीलता एवं नैतिक दृष्टिकोण।

5. छात्राध्यापकों की शैक्षिक उपलब्धि के निर्धारक

छात्राध्यापकों की शैक्षिक उपलब्धि अनेक कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें अध्यापक शिक्षकों की शिक्षण दक्षता एक प्रमुख कारक है। इसके अतिरिक्त अभिप्रेरणा, सीखने का वातावरण, संसाधन तथा व्यक्तिगत रुचि भी प्रभाव डालते हैं।

6. शिक्षण दक्षता एवं शैक्षिक उपलब्धि के मध्य संबंध

शैक्षिक मनोविज्ञान के विभिन्न सिद्धांत यह स्पष्ट करते हैं कि प्रभावी शिक्षण से अधिगम में वृद्धि होती है। जब अध्यापक शिक्षक प्रभावी शिक्षण रणनीतियों का प्रयोग करते हैं, तो छात्राध्यापकों में समझ, रुचि और आत्मविश्वास बढ़ता है।

सैद्धान्तिक रूप से यह कहा जा सकता है कि:

- उच्च शिक्षण दक्षता → उच्च शैक्षिक उपलब्धि
- निम्न शिक्षण दक्षता → निम्न शैक्षिक उपलब्धि

7. पूर्ववर्ती अध्ययनों की संक्षिप्त समीक्षा

विभिन्न सैद्धान्तिक एवं अनुभवजन्य अध्ययनों में यह पाया गया है कि अध्यापक शिक्षकों की शिक्षण शैली, व्यवहार एवं दक्षता छात्राध्यापकों की उपलब्धि को प्रभावित करती है। कई अध्ययनों ने यह सिद्ध किया है कि जिन प्रशिक्षण संस्थानों में अध्यापक शिक्षक नवाचारात्मक एवं सहभागितापूर्ण शिक्षण अपनाते हैं, वहाँ छात्राध्यापकों की शैक्षिक उपलब्धि अपेक्षाकृत उच्च होती है।

8. निष्कर्ष

प्रस्तुत सैद्धान्तिक अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि अध्यापक शिक्षकों की शिक्षण दक्षता छात्राध्यापकों की शैक्षिक उपलब्धि का एक महत्वपूर्ण निर्धारक है। प्रभावी अध्यापक शिक्षक न केवल ज्ञान प्रदान करते हैं, बल्कि छात्राध्यापकों

को एक कुशल, संवेदनशील एवं उत्तरदायी शिक्षक बनने के लिए प्रेरित करते हैं। अतः शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों में अध्यापक शिक्षकों की निरंतर व्यावसायिक उन्नति पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

9. शैक्षिक निहितार्थ

1. अध्यापक शिक्षकों हेतु नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ।
2. शिक्षण दक्षता के सभी आयामों पर ध्यान दिया जाए।
3. शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम में नवाचार को प्रोत्साहित किया जाए।
4. मूल्यांकन प्रणाली को अधिक व्यावहारिक बनाया जाए।

10. संदर्भ सूची

1. NCERT. (2020). Teacher Education in India. New Delhi.
2. Mangal, S. K. (2019). Teacher and Teaching. PHI Learning.
3. Aggarwal, J. C. (2018). Principles, Methods and Techniques of Teaching. Vikas Publishing.
4. Buch, M. B. (Ed.). (2017). Fifth Survey of Educational Research. NCERT.
5. Sharma, R. A. (2021). Teacher Education: Theory and Practice. R. Lall Book Depot.
6. Buch, M. B. (2015). Sixth Survey of Educational Research. NCERT, New Delhi.
7. Government of India. (2020). National Education Policy (NEP-2020). Ministry of Education, New Delhi.
8. Mangal, S. K., & Mangal, U. (2017). Essentials of Educational Psychology. PHI Learning, New Delhi.
9. Dash, B. N. (2018). Teacher and Education in the Emerging Indian Society. Neelkamal Publications.
10. NCTE. (2019). Regulations and Norms for Teacher Education Programmes. New Delhi.

11. Kothari, C. R. (2019). *Research Methodology: Methods and Techniques*. New Age International Publishers.
12. Sharma, S. R. (2018). *Teacher Education: Problems and Prospects*. Anmol Publications, New Delhi.
13. Singh, L. C. (2016). *Teacher Education in India*. APH Publishing Corporation.
14. Panda, B. N., & Tewari, A. D. (2017). *Teacher Education*. APH Publishing Corporation.
15. Darling-Hammond, L. (2017). Teacher Education around the World: What Can We Learn from International Practice? *European Journal of Teacher Education*, 40(3), 291–309.
16. Shulman, L. S. (1987). Knowledge and Teaching: Foundations of the New Reform. *Harvard Educational Review*, 57(1), 1–22.
17. Biggs, J., & Tang, C. (2016). *Teaching for Quality Learning at University*. Open University Press.
18. UNESCO. (2015). *Teacher Policy Development Guide*. Paris: UNESCO Publishing.
19. Hattie, J. (2018). *Visible Learning: Feedback*. Routledge, London.
20. Anderson, L. W., & Krathwohl, D. R. (2017). *A Taxonomy for Learning, Teaching, and Assessing*. Pearson Education.